Class XI Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 9

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (10)** **[10]**

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी-उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका। महात्मा गांधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की। गांधीजी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया। उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना। अपनी आत्मकथा' में गांधीजी लिखते हैं- "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है। इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि मेरी सत्यपूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई। जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई सम्बन्ध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ। आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधीजी की यह बात जरूर सुननी चाहिए। अपने इसी विश्वास के कारण गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा। उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।

(i) गांधीजी ने किस प्रकार का संघर्ष कर भारत को स्वाधीनता दिलाई? (1)

क) सशस्त्र संघर्ष

ख) हिंसक संघर्ष

ग) अहिंसक संघर्ष

घ) सामरिक संघर्ष

(ii) गांधीजी के लिए किसके विरुद्ध खड़ा होना महत्त्वपूर्ण था? (1)

क) विदेशी शासन के

ख) सामाजिक और धार्मिक भेदभाव के

ग) आर्थिक असमानता के

घ) सांस्कृतिक विरासत के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I): गांधीजी ने स्वाधीनता संग्राम में सामाजिक और सांस्कृतिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष को भी शामिल किया।

कथन (II): गांधीजी का मानना था कि केवल राजनीतिक मुक्ति ही भारत की समग्र मुक्ति है।

कथन (III): गांधीजी का विश्वास था कि राजनीति को धर्म से अलग नहीं किया जा सकता।

कथन (IV): गांधीजी ने स्वाधीन भारत की पहचान को आर्थिक उन्नति तक सीमित माना।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

घ) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) गांधीजी ने राजनीति के साथ किसका संघर्ष भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया? (1)

(v) गांधीजी के अनुसार स्वाधीन भारत की पहचान क्या होनी चाहिए? (2)

(vi) गांधीजी के अनुसार राजनीति और धर्म के बीच क्या संबंध है? (2)

(vii) गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को क्यों प्रमुखता से आगे बढ़ाया? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)** **[8]**

मेरे देश तेरा चप्पा-चप्पा मेरा शरीर है
तेरा जल मेरा मन है
तेरी वायु मेरी आत्मा है
इन सबसे मिलकर ही
तू बनता है मेरे देश,
मैं और तू- दो तो नहीं हैं
शरीर, आत्मा, मन
एक ही प्राणी के
स्थूल या सूक्ष्म अंग हैं
मैं इन्हें बँटने नहीं दूंगा
मैं इन्हें लुटने नहीं देंगा
मैं इन्हें मिटने नहीं दूंगा!

i. **कविता के अनुसार, "तेरा जल मेरा मन है" इस पंक्ति का क्या अर्थ है? (1)**

I. देश का जल कवि के भावनात्मक जीवन का हिस्सा है।

II. कवि अपने देश के जल को पवित्र मानता है।

III. देश का जल केवल भौतिक संसाधन है।

IV. कवि देश के जल को बचाने का संकल्प लेता है।

विकल्प:

क) कथन I और II सही हैं।

ख) कथन I, II और IV सही हैं।

ग) केवल कथन III सही है।

घ) कथन I और III सही हैं।

ii. **कवि ने अपने देश को किस प्रकार की संज्ञा दी है? (1)**

क) अलग-अलग भागों में बंटा हुआ

ख) एक ही प्राणी के अंगों के समान

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) केवल प्राकृतिक संसाधनों से युक्त

घ) केवल सांस्कृतिक धरोहर से भरा हुआ

iii. **निम्नलिखित को सुमेलित करें और सही विकल्प चुनें: (1)**

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. जल	1. मन
II. वायु	2. आत्मा
III. शरीर	3. चप्पा-चप्पा

क) I - (1), II - (2), III - (3)

ख) I - (2), II - (3), III - (1)

ग) I - (1), II - (3), III - (2)

घ) I - (3), II - (1), III - (2)

iv. **कविता में 'शरीर, आत्मा, मन एक ही प्राणी के स्थूल या सूक्ष्म अंग हैं' से कवि क्या व्यक्त करना चाहते हैं? (1)**

v. **कविता में 'तेरी वायु मेरी आत्मा है' का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है? (2)**

vi. **कवि अपने देश के किस रूप को बचाने की कसम खाते हैं, और क्यों? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **जिसको न निजगौरव तथा निजदेश का अभिमान है** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   ii. **अंधकार है वहीं, जहाँ आदित्य नहीं है** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   iii. **गाँव की गरीबी विषय** पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

4. आपका नाम मुदित/मुदिता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश हेतु प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक दृष्टि से कमजोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षण की जो व्यवस्था की गई है, उसकी सराहना करते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके क्षेत्र में डेंगू के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। इससे बचाव के लिए नगर-निगम के अध्यक्ष के नाम एक पत्र लिखिए।

5. **अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[11]**

   i. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)**

      i. खोजपरक पत्रकारिता के विषय में बताइए। **[2]**

      ii. आवेदन पत्र के साथ **स्ववृत्त** संलग्न करना क्यों आवश्यक है? **[2]**

      iii. शब्दकोष में हम अपने इच्छित शब्द को किस प्रकार ढूँढ सकते हें? **[2]**

      iv. फ़्लैश फॉरवर्ड किसे कहते हैं? **[2]**

      v. आप डीएवी विद्यालय में पढ़ते हैं। विद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव होने जा रहा है उसकी पाँचवी बैठक के लिए एक कार्यसूची तैयार कीजिए। **[2]**

   ii. i. पटकथा के कितने प्रकार होते हैं? **[3]**

अथवा

i. **भारत में डायरी लेखन की परंपरा नई नहीं है।** इस कथन पर अपने विचार लिखिए। **[3]**

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हे सजीले हरे सावन,

हे कि मेरे पुण्य पावन,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

तुम बरस लो वे न बरसें,
पाँचवें को वे न तरसें
मैं मज़े में हूँ सही है,
घर नहीं हूँ बस यही है,
किन्तु यह बस बड़ा बस है,
इसी बस से सब विरस है,

i. कवि को कब जेल में बंद किया?

क) 1942 ख) 1943

ग) 1946 घ) 1947

ii. कवि जल बरसाने के लिए किससे प्रार्थना करता है?

क) चाचा ख) सावन

ग) माँ घ) पिता

iii. सावन को दूत बनाकर संदेश देना कैसी परम्परा है?

क) प्राचीन ख) इनमें से कोई नहीं

ग) नवीन घ) प्राचीन और नवीन दोनों

iv. **पुण्य पावन** में कौन-सा अलंकार है?

क) रुपक ख) उपमा

ग) अतिश्योक्ति घ) अनुप्रास

v. पुण्य का अर्थ है:

क) शुभ ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) पवित्र घ) शुद्ध

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. ईश्वर के स्वरूप के विषय में कबीर क्या कहते हैं? **[3]**

ii. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती कविता में चंपा को क्या अचरज होता है तथा क्यों? **[3]**

iii. आओ, मिलकर बचाएँ कविता में **इस दौर में भी बचाने को बहुत कुछ बचा है**- से क्या आशय है? **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. मुर्दा शांति से भर जाना और हमारे सपनों का मर जाना- इनको सबसे खतरनाक माना गया है। आपकी दृष्टि में इन बातों में परस्पर क्या संगति है और ये क्यों सबसे खतरनाक है? **[2]**

ii. भाव व शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए- **[2]**
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी

iii. हे भूख! मत मचल कविता में ईश्वर के लिए किस दृष्टांत का प्रयोग किया गया है? ईश्वर और उसके साम्य का आधार बताइए। **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पंडित अलोपीदीन स्तंभित हो गए। गाड़ीवानों में हलचल मच गयी। पंडितजी के जीवन में कदाचित यह पहला ही अवसर था कि पंडित जी को ऐसी कठोर बातें सुननी पड़ी। बदलू सिंह आगे बढ़ा किन्तु रोब के मारे साहस न हुआ कि उनका हाथ पकड़ सके। पंडितजी ने धर्म को धन का ऐसा निरादर करते कभी न देखा था। विचार किया यह अभी उद्दंड लड़का है। माया-मोह के जाल में अभी नहीं पड़ा।

i. पंडित अलोपीदीन क्यों स्तंभित हो गए थे?

क) रिश्वत की बात सुन कर ख) दारोगा जी को देख कर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) अपनी हिरासत की बात सुन कर　　घ) अचानक बुलाये जाने पर

ii. पंडितजी के जीवन में कौन-सी परिस्थिति पहली बार उत्पन्न हुई थी?

क) रिश्वत देना　　ख) उनकी बात न मानना

ग) उनका निरादर होना　　घ) किसी की कठोर बातें सुनना

iii. बदलू सिंह कौन था?

क) सैनिक　　ख) जमादार

ग) नौकर　　घ) गाड़ीवाला

iv. **यह अभी उद्दंड लड़का है** यह कथन किसके विषय में है?

क) वंशीधर के बारे में　　ख) बदलू सिंह के बारे में

ग) गाड़ीवाले के बारे में　　घ) पुलिसवाले के बारे में

v. **निरादर** का विलोम होगा-

क) सम्मान　　ख) बड़ाई

ग) प्रशंसा　　घ) आदर

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. **अपू के साथ ढाई साल** पाठ में बारिश का दृश्य चित्रित करने में क्या मुश्किल आई और उसका समाधान किस प्रकार हुआ? **[3]**

ii. लोगों की आँखों में कब चमक आ जाती थी? भारत माता पाठ के आधार पर बताइए। **[3]**

iii. रजनी पाठ में गणित के टीचर के खिलाफ अन्य बच्चों ने आवाज क्यों नहीं उठाई? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. मियाँ नसीरुददीन पाठ का प्रतिपाद्य बताइए। **[2]**

ii. **विदाई-संभाषण** पाठ में वर्णित किन कार्यों को आप लॉर्ड कर्जन की क्रूरता की संज्ञा देंगे? **[2]**

iii. गलता लोहा पाठ में धनवान रमेश ने मोहन का भविष्य बनाया नहीं बिगाड़ा था कैसे? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)** **[10]**

i. लेखक ने लता की गायकी की किन विशेषताओं को उजागर किया है? आपको लता की गायकी में कौन-सी विशेषताएँ नज़र आती हैं? उदाहरण सहित बताइए। **[5]**

ii. कुंई का मुँह छोटा रखने के क्या कारण हैं? राजस्थान की रजत बूँदें पाठ के आधार पर लिखिए। **[5]**

iii. सबेरे कोई पेशाब के लिए उसमें घुसता तो दूसरा उसमें घुसने के लिए बाहर खड़ा रहता। टट्टी के लिए बाहर जाना पड़ता था लेकिन वहाँ भी चैन से कोई टट्टी नहीं कर सकता था क्योंकि सुअर पीछे से आकर तंग करना शरू कर देते। लड़के-लड़कियाँ, बड़े-बूढ़े सभी हाथ में पानी की बोतल ले टट्टी के लिए बाहर जाते। अब वे कहाँ बोतल संभालें या सुअर भगाएँ! मुझे तो यह देख-सुनकर बहुत खराब लगता- अनुवाद के नाम पर मात्र अंग्रेज़ी से होने वाले अनुवादों के बीच भारतीय भाषाओं में रची-बसी हिंदी का यह एक अनुकरणीय नमूना है- उपर्युक्त पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए बताइए कि इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं। **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क (अपठित बोध)

1. (i) ग) अहिंसक संघर्ष
   (ii) ख) सामाजिक और धार्मिक भेदभाव के
   (iii) क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।
   (iv) गांधीजी ने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया।
   (v) गांधीजी के अनुसार करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।
   (vi) गांधीजी के अनुसार राजनीति को धर्म से अलग मानना गलत है, वे कहते हैं कि राजनीति में धर्म का होना आवश्यक है।
   (vii) गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को इसलिए प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा।

2. i. ख) कथन I, II और IV सही हैं।
   ii. ख) एक ही प्राणी के अंगों के समान
   iii. क) I - (1), II - (2), III - (3)
   iv. कविता में 'शरीर, आत्मा, मन एक ही प्राणी के स्थूल या सूक्ष्म अंग हैं' से कवि यह व्यक्त करना चाहते हैं कि देश और व्यक्ति का सम्बन्ध एक अटूट और एकत्वपूर्ण होता है, जैसे शरीर, आत्मा, और मन मिलकर एक प्राणी बनाते हैं।
   v. 'तेरी वायु मेरी आत्मा है' का प्रतीकात्मक अर्थ है कि देश की वायु (प्राकृतिक संसाधन) कवि की आत्मा (आत्मा की गहराई) का हिस्सा है, जो उसकी पहचान और अस्तित्व का अभिन्न हिस्सा है।
   vi. कवि अपने देश के समग्र रूप को बचाने की कसम खाते हैं। वे देश के विभिन्न हिस्सों को एक साथ रखने और उसके विनाश या बिखराव को रोकने की कसम खाते हैं क्योंकि उनके लिए यह देश उनके शरीर, मन, और आत्मा का अभिन्न अंग है।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) **"जिसको न निजगौरव तथा निजदेश का अभिमान है"**

राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त जी की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कविता की यह पंक्ति - "जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है, वह नर नहीं नर पशु निरा और मृतक समान है"। उन युवाओं को आईना दिखाने का काम करती है, जो राष्ट्रप्रेम के भावों से विमुक्त हो चुके हैं। साथ ही युवाओं के अंदर जोश भरने के लिए भी काफ़ी है, जो राष्ट्रहित में अपना सर्वस्व न्योछावर करने हेतु तत्पर रहते हैं।

वास्तव में देखा जाए तो देश को सुसंस्कृत, सुसज्जित और स्वस्थ परिवेश देना हम सबकी समेकित ज़िम्मेदारी है। देश की रक्षा करने की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ सरहद पर तैनात जवानों का ही नहीं, बल्कि देश में रहने वाले समस्त नागरिकों का भी है। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारी गलती या नकारात्मक व्यवहार से देश अपमानित होता है और हमारे द्वारा किए गए हर उल्लेखनीय कार्य से देश के सम्मान में इज़ाफा होता है। हमारा गुरुर, गौरव, अभिमान और सर्वोपरी हमारा राष्ट्र होना चाहिए। जो स्वार्थ में जीवन जीते हैं, उनके लिए राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त जी दूसरी जगह लिखते हैं कि- "जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं, वो हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं"। इसलिए हमें हमेशा देश और समाज के प्रति समर्पित भावना और आपस में सौहार्दपूर्ण रिश्ते कायम करना चाहिए।

(ii) **“अंधकार है वहीं, जहाँ आदित्य नहीं है”**

नि:संदेह, शिक्षा का उद्देश्य असत्य से सत्य की ओर तथा अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाना है। इसलिए कहा जा सकता है कि जहाँ शिक्षा रूपी प्रकाश नहीं, वहाँ अशिक्षा रूपी अंधकार का ही वर्चस्व होता है। किसी ने क्या ख़ूब कहा है कि **“अंधकार है वहाँ जहाँ आदित्य नहीं है, मुर्दा है वह देश जहाँ साहित्य नहीं है”**।

शायर ‘साहिर लुधियानवी’ की लिखी ये पंक्तियाँ-

“मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया,
हर फिक्र को धुएं में उड़ाता चला गया,
बरबादियों का शौक माना फिजूल था,
बरबादियों का जश्न मनाता चला गया,
मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया।”

साहित्य और मनुष्य के जीवन के अंतर्संबंध को बेहद खूबसूरती से बयां करती हैं। ये पंक्तियाँ मनुष्यों को सुख-दु:ख, आशा-निराशा, सफलता-असफलता से उठने वाली भावनाओं को सहजता से लेने की सीख देती हैं और बताती हैं कि अंत में चीजें जब जलकर राख बन जाती है तो अपना अस्तित्व पूर्णतः खो देती हैं। उसका धुआँ भी वहाँ नहीं टिकता, उड़ कर अदृश्य हो जाता है। यही है साहित्य की खूबसूरती। साहित्य और मानवीय जीवन आपस में जुड़े हुए हैं या यूँ कहे कि साहित्य तथा समाज का सम्बन्ध अटूट रहा है। प्रेम, युद्ध, द्वंद और परिवर्तन जब भी समाज और मनुष्य को जैसी ज़रूरत पड़ी साहित्य ने वैसे ही खुद को प्रस्तुत किया। चाहे यूरोप का पुनर्जागरण हो या भारत का राष्ट्रीय आंदोलन, दोनों में ही साहित्य ने बदलाव को जन्म देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। साहित्य भी हमेशा एक जैसा नहीं रहता वह भी अपने देशकाल की परंपराओं, रीतिरिवाजों और मूल्यों के साथ खुद में बदलाव लाता है। और समाज को नई दिशा दिखाने के साथ उसे प्रेरित भी करता है। अतः हम कह सकते

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हैं कि शिक्षा और साहित्य एक दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों मिलकर ही मानव जीवन में रौशनी लाते हैं। मानव को नई दिशा और अच्छी सभ्यता का हकदार बनाते हैं।

(iii) गाँव की गरीबी एक महत्वपूर्ण समस्या है जो हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करती है। गाँवों में अन्याय, असंतुलन, विकास की कमी और आर्थिक असुरक्षा के कारण गरीबी का सामना करना पड़ता है। गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ और आवास की कमी होती है। किसानों को अच्छे बीज, उन्नत तकनीक, सम्पूर्ण जलस्रोतों की उपयोगिता, वित्तीय सहायता और बाजार उपयोग में न्याय की आवश्यकता होती है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए, सरकार को गाँवों में विकास के लिए विशेष योजनाएँ और नीतियाँ लागू करनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, कौशल विकास के अवसर प्रदान करने, आर्थिक संसाधनों को गाँवों में निवेश करने और स्वयंसेवी संगठनों की समर्था प्रदान करने की आवश्यकता होती है। साथ ही, स्वच्छता, पेयजल सुरक्षा, बाल संरक्षण और नारी सशक्तिकरण के लिए सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में सामरिक रोजगार के अवसर और उद्यमिता को बढ़ाने के माध्यमों का प्रदान करना भी आवश्यक है। इस प्रकार, गाँव की गरीबी को दूर करने के लिए सरकार, सामाजिक संगठनों, नागरिकों और अन्य संघर्ष करने वालों के संयमित प्रयासों की आवश्यकता है। एक स्वस्थ, विकसित और समृद्ध ग्रामीण समाज का निर्माण सभी की जिम्मेदारी है।

4. सेवा में,
संपादक
दैनिक जागरण
दिल्ली
दिनांक: 28 सितम्बर 2023
विषय: निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था हेतु पत्र
महोदय,
मेरा नाम मुदित है। मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। आपने पत्र के माध्यम से हमें यह सूचित किया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश हेतु आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था की गई है। यह एक बहुत ही प्रशंसनीय पहल है, जिससे कई प्रतिभाशाली छात्र नौकरियों में अवसर प्राप्त करेंगे। इसके माध्यम से समाज के कमजोर अधिकारियों और छात्रों को भी समान अवसर मिलेंगे, जिससे न केवल उनका उत्थान होगा, बल्कि देश के लिए भी यह विकास की एक बड़ी उपलब्धि होगी। आपकी सफल प्रशासनिक पहलों और शिक्षाधिकारियों के परोपकारी कार्य के लिए ऐसी प्रदेश सरकार को सम्मानित करना चाहिए। जो अपनी कर्तव्य निष्ठा व परोपकार निभाते है।
सधन्यवाद
भवदीय
मुदित कुमार
55/586, सरोजिनी नगर, दिल्ली

अथवा

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 26 जून 2023
सेवा में,
कार्यकारी अध्यक्ष,
दिल्ली नगर निगम,
दिल्ली
विषय: क्षेत्र में डेंगू के बढ़ते मामले संबंधी।
मान्यवर,
मैं इस पत्र के माध्यम से आपको जानकारी देना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में डेंगू के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं और इससे जनता को चिंता हो रही है। डेंगू के प्रकोप को रोकने के लिए आपसे निवेदन है कि आप उचित कदम उठाएँ और जनता को संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में सूचित करें। साथ ही, डेंगू संबंधी सुरक्षा के लिए सभी जनता को संपूर्ण सहायता प्रदान करें। हमें विश्वास है कि आप हमारी इस अपील पर ध्यान देंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।
सधन्यवाद।
भवदीय
सहीराम गुप्ता

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

i. वह पत्रकारिता जो गहराई से छानबीन करके ऐसे तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाने की कोशिश करती है, जिन्हें दबाने या छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो, खोजपरक पत्रकारिता कहलाती है। इसका नवीनतम रूप 'स्टिंग ऑपरेशन' है।

ii. 1. एक अच्छा स्ववृत्त नियुक्तिकर्ता के मन में उम्मीदवार के प्रति अच्छी और सकारात्मक धारणा उत्पत्र करता है।
2. नौकरी में सफ़लता के लिए योग्यता और व्यक्ति के साथ-साथ स्ववृत्त निर्माण की कला में निपुणता भी आवश्यक है।
3. स्ववृत्त में किसी विशेष प्रयोजन को धयान में रखकर सिलसिलेवार ढंग से सूचनाएँ संकलित की जाती है।

iii. शब्दकोष के हर पृष्ठ के ऊपर दिए गए शब्द युग्म का पहला शब्द उस पृष्ठ का पहला शब्द होता है। दूसरा शब्द पृष्ठ के आखिरी शब्द को दर्शाता है। इस प्रकार पूरे पृष्ठ पर किसी शब्द को तलाशने की जरूरत नहीं होती, शब्द युग्म को देखकर ही पता चल जाता है कि हमारा इच्छित शब्द इस पृष्ठ पर है या नहीं। इस प्रकार हम अपने इच्छित शब्द को शब्दकोष में ढूँढ़ सकते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. फ़्लैश फॉरवर्ड में हम भविष्य में होने वाली घटना को वर्तमान में ही (हादसा होने से पहले ही) दिखा देते हैं और फिर वर्तमान में लौट आते हैं।

v.

कार्यसूची

डी.ए.वी. स्कूल के वार्षिक खेल महोत्सव हेतु पाँचवी बैठक की कार्यसूची

23 सितम्बर, 2020

1. चौथी बैठक के कार्यवृत्त की संपुष्टि
2. पिछली बैठकों के लिए किए गर निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा
3. महोत्सव में अधिक छात्रों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहन करने पर चर्चा
4. खेल महोत्सव की गुणवत्ता बढ़ाने पर चर्चा
5. महोत्सव के इस्तेमाल में आने वाली धन राशि को बढ़ाने पर चर्चा
6. प्रधानाचार्य की अनुमति से किसी भी अन्य विषय पर विमर्श

श्री राधेश्याम मिश्र
(श्री राधेश्याम मिश्र)
प्रधानाचार्य

निम्नलिखित सदस्य कार्यसूची के अवलोकन उपरान्त हस्ताक्षर करें-

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1	श्री त्रिभुवन शर्मा	स्कूल निदेशक	
2	श्रीमती जानकी वर्मा	उप प्रधानाचार्य	
3	श्री रामविलास	हिंदी अध्यापक	

(ii) i. किसी फ़िल्म की पटकथा को किसी भी पूर्ववर्ती उपन्यास, नाटक, कहानी या उस सिनेमा विधा के लिए लिखी गई मूल रचना से रूपान्तरित किया जाता है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि पटकथा दृश्य-श्रव्य और कथन-कला आदि को लक्ष्य करके लिखी जाने वाली विधा होती है।

अथवा

i. यह कथन "भारत में डायरी लेखन की परंपरा नई नहीं है" पूर्णतः सत्य है। भारत में 'बही' लिखने की परंपरा बहुत दिनों पुरानी है। व्यापारी भी प्रतिदिन का लेखा-जोखा 'बही खाते में ही करते आए हैं। पिछली कई शताब्दियों से भारत में डायरी लिखी जा रही है। प्राय: सभी सम्राटों, राजाओं के यहाँ रोजनामचे लिखने वालों की नियुक्ति इस कार्य के लिए की जाती थी। 'तारीख' या 'तवारीख' शब्द से स्पष्ट है कि उसे युग में ऐतिहासिक कृतियाँ पहले दैनंदिनी विवरण के रूप में प्रस्तुत होती थी। मुस्लिम इतिहासकार इस पद्धति से इतिहास लिखा करते थे। प्राचीन हस्तलिखित पुस्तकें एवं बहियें इस बात का प्रमाण हैं कि राजघरानों एवं सम्पन्न परिवारों में कहीं कहीं दैनंदिनी (डायरी) लिखने की परंपरा थी।

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हे सजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन,
तुम बरस लो वे न बरसें,
पाँचवें को वे न तरसें
मैं मज़े में हूँ सही है,
घर नहीं हूँ बस यही है,
किन्तु यह बस बड़ा बस है,
इसी बस से सब विरस है,

(i) **(क)** 1942
व्याख्या:
1942

(ii) **(ख)** सावन
व्याख्या:
कवि हरे-भरे सावन से प्रार्थना करता है कि तुम जल बरसा कर सभी का उपकार करते हो।

(iii) **(क)** प्राचीन
व्याख्या:
प्राचीन

(iv) **(घ)** अनुप्रास
व्याख्या:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अनुप्रास

(v) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
सभी विकल्प सही हैं

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) कबीरदास कहते हैं कि ईश्वर एक है और उसका कोई निश्चित रूप या आकार नहीं है। वह सर्वव्यापी है। अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए उन्होंने कई तर्क दिए हैं; जैसे-संसार में एक जैसी हवा बहती है, एक जैसा पानी है तथा एक ही प्रकार का प्रकाश सबके अंदर समाया हुआ है। यहाँ तक कि एक ही प्रकार की मिट्टी से कुम्हार अलग-अलग प्रकार के बर्तन बनाता है। कबीरदास आगे कहते हैं कि बढ़ई लकड़ी को काटकर अलग कर सकता है परंतु आग को नहीं। यानी मूलभूत तत्वों (धरती, आसमान, जल, आग, और हवा) को छोड़कर शेष सबको काट कर आप अलग कर सकते हो। इसी तरह से शरीर नष्ट हो जाता है किंतु आत्मा सदैव बनी रहती। आत्मा परमात्मा का ही अंश है जो अलग-अलग रूपों में सबमें समाया हुआ है। अतः ईश्वर एक है उसके रूप अनेक हो सकते हैं।

(ii) चंपा निरक्षर है। जब कवि अक्षरों को पढ़ना शुरू करता है तो चंपा को हैरानी होती है कि इन अक्षरों से स्वर कैसे निकलते हैं; वह अक्षर व ध्वनि के संबंध को समझ नहीं पाती। उसे नहीं पता कि लिखे हुए अक्षर ध्वनि को व्यक्त करने का ही एक रूप है। निरक्षर होने के कारण वह यह बात समझ नहीं पाती।

(iii) कवयित्री ने आज के अविश्वास भरे दौर में भी बचाने को बहुत कुछ बचा है, इसलिए कहा है क्योंकि आज के युग में बढ़ती अविश्वास तथा एक दूसरे के बीच के ईर्ष्या और द्वेष की भावना आदिवासी समाज को पूरी तरह प्रभावित नहीं कर सकी है। इसलिए कवयित्री उनकी भाषा और संस्कृति के गुणों को बचाना चाहती हैं।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) 'मुर्दा शांति से भर जाना' का अर्थ है-निष्क्रिय होना, जड़ हो जाना या प्रतिक्रिया शून्य हो जाना। ऐसी स्थिति बहुत खतरनाक है। ऐसा व्यक्ति सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष नहीं कर पाता। उसके मन में किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं होती। वह जीवित होते हुए भी मृत के समान होता है।
'हमारे सपनों का मर जाना' का अर्थ है-कुछ कर गुजरने की उमंग समाप्त हो जाना। निराशा, हताशा, उदासी, और अंधेरे का आ जाना। मनुष्य कल्पना करके ही नए-नए कार्य करता है तथा विकसित होता है। सपनों के मर जाने से हम यथास्थिति को स्वीकार करके स्थिर एवं विचारशून्य हो जाते हैं।

(ii)
- **भाव सौंदर्य**— इस पद में मीरा ने भक्ति की महिमा को बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है। इस पद में भक्ति को मक्खन के समान महत्त्वपूर्ण तथा सांसारिक सुख को छाछ के समान माना गया है। इन काव्य पंक्तियों में मीरा संसार के सार तत्व को ग्रहण करने और व्यर्थ की बातों को छोड़ देने के लिए कहती है।
- **शिल्प सौंदर्य**- अन्योक्ति अलंकार है।
  - यहाँ दही जीवन का प्रतीक है।
  - प्रतीकात्मकता है- 'घृत' भक्ति का, 'छाछ' असार संसार का प्रतीक है।
  - ब्रजभाषा है।
  - गेयता है।
  - तत्सम शब्दावली भी है।

(iii) ईश्वर के लिए जूही के फूल का दृष्टांत दिया गया है। जूही का फूल कोमल, सात्विक, सुगंधित व श्वेत होता है। यह लोगों का मन मोह लेता है। वह बिना किसी भेदभाव के सबको खुशबू बाँटता है। इसी तरह ईश्वर भी सभी प्राणियों को आनंद देता है। वह कोई भेदभाव नहीं करता तथा सबका कल्याण करता है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

पंडित अलोपीदीन स्तंभित हो गए। गाड़ीवानों में हलचल मच गयी। पंडितजी के जीवन में कदाचित यह पहला ही अवसर था कि पंडित जी को ऐसी कठोर बातें सुननी पड़ी। बदलू सिंह आगे बढ़ा किन्तु रोब के मारे साहस न हुआ कि उनका हाथ पकड़ सके। पंडितजी ने धर्म को धन का ऐसा निरादर करते कभी न देखा था। विचार किया यह अभी उद्दंड लड़का है। माया-मोह के जाल में अभी नहीं पड़ा।

(i) **(ग)** अपनी हिरासत की बात सुन कर
व्याख्या: अपनी हिरासत की बात सुन कर

(ii) **(घ)** किसी की कठोर बातें सुनना
व्याख्या: किसी की कठोर बातें सुनना

(iii) **(ख)** जमादार
व्याख्या: जमादार

(iv) **(क)** वंशीधर के बारे में
व्याख्या: वंशीधर के बारे में

(v) **(घ)** आदर
व्याख्या: आदर

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) पैसों की कमी के कारण ही बारिश का दृश्य चित्रित करने में बहुत मुश्किल आई थी। बरसात के दिन आए और गए, लेकिन पास पैसे नहीं थे, इस कारण शूटिंग बंद थी। अतः वर्षा ऋतु निकल गई। लेखक काफी समय तक उस दृश्य को फिल्माने के लिए गाँव में जाकर बरसात का इंतज़ार करता रहा। आखिरकार किस्मत से उसे शरद ऋतु में बरसात का दृश्य फ़िल्माने का अवसर मिला। शरद ऋतु में बरसात हो गई। अतः लेखक ने अपू तथा दुर्गा से ठंड में बरसात का दृश्य करवाया। दृश्य बहुत अच्छा हुआ।

(ii) नेहरू जी लोगों को बताते थे कि तुम ही भारत माता के अंश हो। एक तरह से तुम ही भारत माता हो। तुम्हारी भी जय हो। यह बात जब उनकी समझ में आ जाती थी तो उनकी आँखों में चमक आ जाती थी। उन्हें लगता था मानो उन्होंने कोई खोज कर ली हो।

(iii) गणित का अध्यापक बच्चों को जबरदस्ती ट्यूशन पर आने के लिए कहता था। ऐसा न करने पर उनके अंक तक काट देता था। दूसरे बच्चों ने उसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई, क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसा करने पर अध्यापक उन्हें अगली साल परेशान करें हो सकता है कक्षाओं में भी उनके साथ भेदभाव किया जाए। अध्यापक उनका भविष्य बिगाड़ देगा और उसका कुछ नहीं बिगड़ेगा। इस डर से अमित व उसकी माँ भी रजनी को विरोध करने से रोकना चाहते थे।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) **मियाँ नसीरुददीन** शब्दचित्र हम-हशमत नामक संग्रह से लिया गया है। इसमें खानदानी नानबाई मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व, रुचियों और स्वभाव का शब्दचित्र खींचा गया है। वे अपने खानदानी पैसे के प्रति समर्पित है। मियाँ नसीरुद्दीन अपने मसीहाई अंदाज़ से रोटी पकाने की कला और उसमें अपने खानदानी महारत को बताते हैं। वे ऐसे इंसान का भी प्रतिनिधित्व करते हैं जो अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं और करके सीखने को असली हुनर मानते हैं।

(ii) सर्वप्रथम, भारत की शासन-व्यवस्था में गोरों का वर्चस्व और देश के संसाधनों को अंग्रेजों के हितों के लिए प्रयोग में लाना गलत था। दूसरे, सरकारी निरंकुशता के लिए प्रेस पर प्रतिबंध लगाना। तीसरे, लाखों-करोड़ों लोगों की गिड़गिड़ाहड को अनदेखा करके बंगाल का विभाजन जैसा घृणित कार्य तानाशाह कर्जन को क्रूरता की संज्ञा देने के लिए काफ़ी है। इसी के कारण उस व्यक्ति में इतना अहंकार आ गया कि वह मनमाने लोगों की नियुक्तियों के लिए ब्रिटिश सरकार को बाध्य करने लगा।

(iii) रमेश मोहन को पढ़ाई करवाने लखनऊ लाया था, पर उसने उसे घरेलू नौकर बना दिया। बाजार से सौदा लाना और घर में काम करना मोहन की दिनचर्या बन गई थी। घर के साथ-साथ पड़ोसी भी अपने कामों में मोहन का सहारा ढूढने लगे थे। मुश्किल से उसे एक सामान्य स्कूल में भरती करवाया गया, पर घर के कामकाज के कारण वह विद्यालय में अपनी वैसी जगह नहीं बना सका जैसी उसमें प्रतिभा थी। उसे दिनभर ताने सुनाए जाते कि बी.ए., एम.ए. को नौकरी नहीं मिलती तो…। इसके बाद उसे काम सीखने के लिए कारखाने में डाल दिया गया। इससे मोहन पढ़ भी न सका और गाँव में अपने बूढ़े माता-पिता के साथ भी नही न रह सका। रमेश ने उसे कहीं का भी नहीं छोड़ा था।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) **लेखक ने लता की गायकी की निम्नलिखित विशेषताओं को उजागर किया है-**

i. **सुरीलापन-** लता के गायन में सुरीलापन है। उनके स्वर में अद्भुत मिठास, तन्मयता, मस्ती, लोच आदि हैं। उनका उच्चारण मधुर पूँज से परिपूर्ण रहता है। जो श्रोता को आनदमय कर देता है

ii. **निर्मल स्वर-** लता के स्वरों में निर्मलता है। लता का जीवन की ओर देखने का जो दृष्टिकोण है, वही उसके गायन की निर्मलता में झलकता है।

iii. **कोमलता-** लता के स्वरों में कोमलता व मुग्धता है। इसके विपरीत नूरजहाँ के गायन में मादक उत्तान दिखता था।

iv. **नादमय उच्चार-** यह लता के गायन की अन्य विशेषता है। उनके गीत के किन्हीं दो शब्दों का अंतर स्वरों के आलाप द्वारा सुंदर रीति से भरा रहता है। ऐसा लगता है कि वे दोनों शब्द विलीन होते-होते एक-दूसरे में मिल जाते हैं। लता के गानों में यह बात सहज व स्वाभाविक है।

v. **शास्त्रीये शुद्धता-** लता के गीतों में शास्त्रीय शुद्धता है। उन्हें शास्त्रीय संगीत की उत्तम जानकारी है। उनके गीतों में स्वर, लय व शब्दार्थ का संगम होने के साथ-साथ रंजकता भी पाई जाती है।

हमें लता की गायकी में उपर्युक्त सभी विशेषताएँ नजर आती हैं। उन्होंने भक्ति, देशप्रेम, श्रृंगार, विरह आदि हर भाव के गीत गाए हैं। उनका हर गीत लोगों के मन को छू लेता है। वे गंभीर या अनहद गीतों को सहजता से गा लेती हैं। एक तरफ **'ऐ मेरे वतन के लोगों'** गीत से सारा देश भावुक हो उठता है तो दूसरी तरफ **'दिलवाले दुल्हनियाँ ले जाएंगे'** फ़िल्म के अल्हड़ गीत युवाओं को मस्त करते हैं। वास्तव में, गायकी के क्षेत्र में लता सर्वश्रेष्ठ हैं। उनकी गायकी बेजोड़ है। लता जी गायक शताब्तियों बाद कोई एक ही होता है।

(ii) **कुंई का मुँह छोटा रखने के निम्नलिखित बड़े कारण हैं-**

i. रेत में जमा पानी कुंई में बहुत धीरे-धीरे रिसता है। अतः मुँह छोटा हो तभी प्रतिदिन जल स्तर पानी भरने लायक बन पाता है।

ii. बड़े व्यास से धूप और गरमी में पानी के भाप बनकर उड़ जाने का खतरा बना रहता है।

iii. कुंई की स्वच्छता और सुरक्षा के लिए उसे ढककर रखना जरूरी है; मुँह छोटा होने से यह कार्य आसानी से किया जा सकता है।

(iii) इन पंक्तियों का अनुवाद करते हुए अनुवादक ने बहुत ध्यान रखा है। उसने कहीं भी अंग्रेज़ी शब्दों का यूहीं प्रयोग नहीं किया है। उसने हिन्दी पाठकों की रुचि को ध्यान में रखा है और तभी अनुवाद किया है। ऐसा अनुवाद आज बहुत कम देखने को मिलता है। इन पंक्तियों में लेखक ने जो चित्र उकेरा है, उससे पता चल जाता है कि हिन्दी शब्दों के प्रयोग ने घटना को सजीव कर दिया है। उस घटना का चित्र हमारी आँखों में आने लगता है। पाठ को पढ़ने के बाद तथा प्रश्न में दी गई पंक्तियों को पढ़ने के बाद हम इस कथन से सहमत है।

प्रस्तुत कथन उन बस्तियों के सन्दर्भ में कहा गया है जहाँ अभी भी शौचालय की असुविधा है| कई लोगों के लिए एक ही शौचालय होता है अथवा उन्हें शौच के लिए बाहर खुले में जाना पड़ता है। ऐसे स्थानों पर गंदगी का ढेर लगा होता है और लोग उसी परिस्थिति में रहते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in